THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) and (b) Preliminary enquiry was made by the Medical Superintendent, Safdarjung Hospital, New Delhi. According to this report one patient named Shri Ashok died in the Safdarjung Hospital but his death is not attributed to administration of I.V. Fluid or Ringer Lactats.

(c) Does not arise.

(d) No, Sir.

घटिया तथा नकली दवाओं के लिये आयोग का स्थापित किया जाना

*191. श्री अजीत जोगी : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश में घटिया तथा नकली दवाओं के निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण रखने हेतु किसी आयोग की स्थापना करने का विचार रखती हैं ; और

(ख) यदि उपयुक्त भाग (क) का उत्तर "ना" हो, तो क्या सरकार इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए कोई अन्य कदम उठाने का विचार रखती है; यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) जी, नहीं।

(ख) केन्द्र सरकार राज्य सरकारों को अपने औषध नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ करने का सुझाव देती रही है ताकि औषध और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के प्रावधानों और नियमों को और कारगर ढंग से लागू किया जा सके। इस संबंध में उठाए गए कदम इस प्रकार है :—

(1) वर्ष 1982 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित किएगए टास्क फोर्स ने विस्तृत सिफारिशें दीं थां जिन्हें कार्यान्वयन के लिए राज्यों को भेजा गया था।

(2) औषध नियंत्रण संगठनों को सुदृढ़ करने एव पर्याप्त परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने के लिए राज्य सरकारों से अनुरोध करने हेतु केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद की बैठकों में संकल्प पारित किया गया है।

(3) केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने सभी राज्य मुख्य मंत्रियों को औषध निरीक्षण स्टाफ को सुदृढ़ करने, परीक्षण सुविधाये प्रदान करने और कानून को अधिक कठोरता से लागू करने के लिए लिखा है।

(4) पहली फरवरी से 3 फरवरी 1989 तक हुई बैठक में केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण परिषद द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार देश में स्थापित औषध नियंत्रण की पुनः संरचना की जांच करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एक उच्च शक्ति प्राप्त ग्रुप गठित किया गया है।

IAS/IPS in Delhi staying for more than ten years

192. SHRI T. R. BALU:
SHRI V. GOPALSAMY:

Will the PRIME MINISTER be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 3177 given in the Rajya Sabha on the 28th March, 1989 and state:

(a) what is the number of the IAS and IPS senior officials who have remained in Delhi for more than ten years; and

(b) the names of such officers and steps taken by Government to send them back to their respective cadres?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Ex-servicemen rehabilitated in Madhya Pradesh

193. SHRI AJIT P. K. JOGI: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) what is the total number of ex-servicemen rehabilitated in Madhya Pradesh during the period 1985—1988, yearwise;

(b) the number of ex-servicemen to be rehabilitated in that state during 1989-90;

(c) whether any special scheme is being formulated for the speedy rehabilitation of ex-servicemen in that state; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF DEFENCE PRODUCTION AND SUPPLIES IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI): (a) The total number of ex-servicemen rehabilitated through employment in Madhya Pradesh during 1985—1988 are as under:—

Year of Placement	*Number*
1985	836
1986	754
1987	571
1988	580

(b) The number of ex-servicemen on Live Register in Madhya Pradesh as on 31st December 1988 is 3186. This figure will vary with new registrations during the year 1989-90.

(c) and (d) There is no separate or special scheme for rehabilitation of ex-servicemen in that State. However, two new general schemes for promoting self-employment among ex-service men, namely, SEMFEX-I introduced in collaboration with IDBI and SEMFEX-II introduced with the help of NABARD, are also applicable to the State.

M.P. Civil service officers appointed as IAS/IPS

194. SHRI AJIT P. K. JOGI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state what is the number of the State Civil Service Officers of Madhya Pradesh appointed as IAS/IPS officers during the last three years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM) In Madhya Pradesh during the last three years. 29 officers were appointed to the Indian Administrative Service by promotion from the State Civil Service and 6 officers were appointed to the Indian Police Service by promotion from the State Police Service. Besides, during this period 8 officers were appointed to the Indian Administrative Service by selection from the non-State Civil Services.

मोहन नगर, गाजियाबाद में केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को उपचार के लिये टोकन कार्ड जारी किया जाना

195. श्री आनन्द प्रकाश गौतम : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार मोहन नगर, गाजियाबाद में केन्द्रीय सरकार के ऐसे कर्मचारियों को टोकन कार्ड जारी करने का विचार रखती है जो चिकित्सा प्रति-